हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ़

(तिथि 29 सितम्बर 2024, समय 1305 (5 मिनट)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि मेक इन इंडिया पहल के कारण भारत विनिर्माण शक्ति का केंद्र बन गया है। उन्होंने आज आकाशवाणी से मन की बात कार्यक्रम की 114 वीं कड़ी में मेक इन इंडिया की सफलता को रेखांकित करते हुए कहा है कि इस अभियान से निर्धन एवं मध्यम वर्ग तथा सूक्ष्म ,लघु एवं मध्यम उधमों को बहुत फायदा हुआ है। श्री मोदी ने कहा है कि इस अभियान की सफलता में देश के बड़े उधोगों और छोटे दुकानदारों का योगदान मिला है। उन्होंने कहा कि इससे निर्यात बढ़ा है और प्रयतक्ष विदेशी निवेश आकर्षित हुआ है। श्री मोदी ने कहा है कि ,

****

प्रधानमंत्री ने लोगों से आने वाले त्योहारों के दौरान देश में बने उत्पाद खरीदने का आग्रह किया

श्री मोदी ने एक उदहारण देते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूहों द्वारा स्थानीय उत्पादों के सरक्षण के लिए किया जा रहा काम मेक इन इंडिया की मूल भावना का प्रतिक है। प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन की सफलता को उजागर करते हुए कहा कि 2 अक्टूबर को गाँधी जयंती पर स्वच्छ भारत मिशन के 10 वर्ष पूरे हो रहे है।

****

श्री मोदी ने कहा है कि इस मिशन की सफलता है कि कचरे से सम्पदा मंत्र लोगों में लोकप्रिय हो रहा है। उन्होंने कहा कि अब लोगों से Reduce Rause और Recycling की बात शुरू नकार दी है। उन्होंने इस मिशन को जान अभियान बनाने वाले लोगों की सराहना की और सभी के स्वछता ही सेवा अभियान से जुड़ने की अपील की। श्री मोदी ने कहा :

****

श्री मोदी ने एक पेड़ माँ के नाम महा अभियान में भाग लेने के लिए भी लोगों कमो प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि पूरे समाज को इसके आश्चर्यजनक परिणाम मिले हैं जो निश्चित तौर पर प्रेरणादायी हैं। जल सरंक्षण का महत्व रेंखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बरसात के दिनों में सरंक्षित किया गया पानी जल के अभाव वाले महीनों में बहुत ही मददगार साबित हो सकता है। कैच दा रेन अभियान की यही मूल भावना है। उन्होंने कहा कि जल सरंक्षण के लिए किए गए प्रयासों से जल संकट से निपटने में मदद मिलेगी।

****

विकास भी विरासत है, मंत्र पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने अपने हाल ही के अमेरिका दौरे में अमरीका द्वारा करीब 300 प्राचीन कलाकृतियां लौटाये जाने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अमरीका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने निजी आवास में उन्हें इनमे से कुछ कलाकृतियां दिखाई श्री मोदी ने टैराकोटा ,पाषाण हाथीदांत लकड़ी ,तांबे और कांस्य से इस कलाकृतियों को बनाने वाले कलाकारों की सराहना की। ऐसी कलाकृतियों की तस्करी को गंभीर अपराध बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत इन बहुमूल्य कलाकृतियों को वापस लेन के लिए अनेक देशों के सम्पर्क में है।

****

मातृभाषा के महत्व पर बल देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे देश में बीस हजार भाषाएं और बोलियां हैं। उन्होंने इन भाषाओं, विशेषकर संथाली भाषा को संरक्षित करने के प्रयासों की सराहना की।मन की बात कार्यक्रम की 114वीं कडी में प्रधानमंत्री ने कहा कि यह कडी उनके लिए विशेष रूप से भावुक कर देने वाली है क्योंकि इसके साथ ही इस कार्यक्रम के दस वर्ष पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि दस साल पहले विजयदशमी के दिन तीन अक्तूबर को मन की बात कार्यक्रम शुरू हुआ था और इस वर्ष तीन अक्तूबर को नवरात्र का पहला दिन होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि मन की बात के करोड़ों श्रोता इस यात्रा में उनके साथ रहे हैं और देश के प्रत्येक कोने से जानकारी उपलब्ध कराई है।